हिन्दी दैनिक

रहस्य संदेश

RNI.NO.UPHIN2007/20715

3 एटा से प्रकाशित मंगलवार 11 अक्टूबर 2022 पृष्ठ : 8 मूल्य : 50 पैसा

कृषि वैज्ञानिकों ने दिया सब्जियों की जैविक खेती पर जोर

(अनवर अशरफ)

कानपुर (रहस्य संदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत कीटनाशकों की निगरानी, सब्जियों पर असर तथा मानव जोखिम मूल्यांकन विषय पर एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन ग्राम आलमपुर खेड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि फसल सुरक्षा रसायनों का सब्जी फसलों पर कम से कम प्रयोग करें। जिससे मानव स्वास्थ्य

पर कोई दुष्प्रभाव न हो। इस अवसर पर डॉ खान ने बताया कि सब्जी उत्पादक किसान भाई सब्जी फसलों में सड़ी हुई गोबर की खाद एवं केंचुआ खाद का प्रयोग करें। जिससे कि रासायनिक उर्वरकों को कम प्रयोग करना पड़े। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जैविक खादों के प्रयोग से सभी 17 पोषक तत्व पौधों को उपलब्ध हो जाते हैं जिससे फसल उत्पादन गुणवत्ता एवं स्वाद युक्त होता है। प्रसार वैज्ञानिक डॉ डॉ सुशील कुमार यादव ने उद्यानिकी फसलों जैसे मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की वैज्ञानिक तथ्यों को विस्तार से किसानों को बताया। इस अवसर पर उन्होंने सब्जियों में लगने वाले कीट एवं रोगों का जैविक प्रबंधन विषय पर किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी उन्होंने किसानों से अपील की कि सब्जी फसलों में कम से कम रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग करें। उन्होंने कार्यक्रम की विस्तारपूर्वक रूपरेखा बताई तथा कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषकों का पंजीकरण शरद कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसान बाबूराम निषाद, महेंद्र सिंह यादव, सोहन सिंह,जगन्नाथ, धनीराम सहित लगभग 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 82 देहरादून, मंगलवार 11 अक्टूबर 2022 पृष्ठ : 12

कृषि वैज्ञानिकों ने दिया सब्जियों की जैविक खेती पर जोर, कहा मृदा संरचना में सुधार से बढ़ती है उर्वरा शक्ति

दि ग्राम टुडे, संवाददाता।

कानपुर।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत कीटनाशकों की निगरानी, सब्जियों पर असर तथा मानव जोखिम मूल्यांकन विषय पर एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन ग्राम आलमपुर खेड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि फसल सुरक्षा रसायनों का सब्जी फसलों पर कम से कम प्रयोग करें। जिससे मानव स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव न हो। इस अवसर पर डॉ खान ने बताया कि सब्जी उत्पादक किसान भाई सब्जी फसलों में सड़ी हुई गोबर की खाद एवं केंचुआ खाद का प्रयोग करें। जिससे कि रासायनिक उर्वरकों को कम प्रयोग करना पड़े। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जैविक खादों के प्रयोग से सभी 17 पोषक तत्व पौधों को उपलब्ध हो जाते हैं जिससे फसल उत्पादन गुणवत्ता एवं स्वाद युक्त होता है। प्रसार वैज्ञानिक डॉ डॉ सुशील कुमार यादव ने उद्यानिकी फसलों जैसे मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की वैज्ञानिक तथ्यों को विस्तार से किसानों को बताया। इस अवसर पर उन्होंने सब्जियों में लगने वाले कीट एवं रोगों का जैविक प्रबंधन विषय पर किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी।उन्होंने किसानों से अपील की कि सब्जी फसलों में कम से कम रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग करें। उन्होंने कार्यक्रम की विस्तारपूर्वक रूपरेखा बताई तथा कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषकों का पंजीकरण शरद कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसान बाबूराम निषाद, महेंद्र सिंह यादव, सोहन सिंह,जगन्नाथ, धनीराम सहित लगभग 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

आज 11/10/2022 मह

सब्जियों की जैविक खेती पर जोर

❑ सब्जी फसलों में सड़ी हुई गोबर की खाद एवं केंचुआ खाद का प्रयोग करें किसान भाइ

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 10 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत कीटनाशकों की निगरानी, सब्जियों पर असर तथा मानव जोखिम मूल्यांकन विषय पर एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन ग्राम आलमपुर खेत में आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि फसल सुरक्षा रसायनों का सब्जी फसलों पर कम से कम प्रयोग करें। जिससे मानव स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव न हो। इस अवसर पर डॉ खान ने बताया कि सब्जी उत्पादक किसान भाई सब्जी फसलों में सड़ी हुई गोबर की खाद एवं केंचुआ खाद का प्रयोग करें। जिससे कि रासायनिक उर्वरकों को कम प्रयोग करना पड़े। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जैविक खादों के प्रयोग से सभी 17 पोषक तत्व पौधों को उपलब्ध हो जाते हैं जिससे फसल उत्पादन गुणवत्ता एवं स्वाद युक्त होता है। प्रसार वैज्ञानिक डॉ डॉ सुशील कुमार यादव ने उद्यानिकी फसलों जैसे मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की वैज्ञानिक तथ्यों को विस्तार से किसानों को बताया। इस अवसर पर उन्होंने सब्जियों में लगने वाले कीट एवं रोगों का जैविक प्रबंधन विषय पर किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी।उन्होंने किसानों से अपील की कि सब्जी फसलों में कम से कम रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग करें। उन्होंने कार्यक्रम की विस्तारपूर्वक रूपरेखा बताई तथा कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषकों का पंजीकरण शरद कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसान बाबूराम निषाद, महेंद्र सिंह यादव, सोहन सिंह,जगन्नाथ, धनीराम सहित लगभग 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

गोष्ठी को सम्बोधित करते वैज्ञानिक।

लखनऊ | वर्ष: 14 | अंक: 02 | मूल्य: ₹ 3.00/- पेज : 12 | मंगलवार | 11 अक्टूबर, 2022

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

कृषक गोष्ठी में किसानों को किया जागरूक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा बीते दिन सोमवार को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत कीटनाशकों की निगरानी, सब्जियों पर असर तथा मानव जोखिम मूल्यांकन विषय पर एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन हुआ। ग्राम आलमपुर खेड़ा में आयोजित इस गोष्ठी में केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि फसल सुरक्षा रसायनों का सब्जी फसलों पर कम से कम प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने सब्जी उत्पादक किसानो से कहा कि सब्जी फसलों में सड़ी हुई गोबर की खाद एवं केंचुआ खाद का प्रयोग करें। प्रसार वैज्ञानिक डॉ.सुशील कुमार यादव ने उद्यानिकी फसलों जैसे मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की वैज्ञानिक तथ्यों के विषय के साथ सब्जियों में लगने वाले कीट एवं रोगों का जैविक प्रबंधन विषय पर किसानों को जानकारी दी। उन्होंने किसानों से सब्जी फसलों में कम रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग करने की सलाह दी। गांव के प्रगतिशील किसान बाबूराम निषाद, महेंद्र सिंह यादव, सोहन सिंह, जगन्नाथ, धनीराम सहित लगभग 50 से अधिक किसान मौजूद रहे।

कृषि वैज्ञानिकों ने दिया सब्जियों की जैविक खेती पर जोर

कहा मृदा संरचना में सुधार एवं बढ़ती है उर्वरा शक्ति

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत कीटनाशकों की निगरानी, सब्जियों पर असर तथा मानव जोखिम मूल्यांकन विषय पर एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन ग्राम आलमपुर खेड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि फसल सुरक्षा रसायनों का सब्जी फसलों पर कम से कम प्रयोग करें। जिससे मानव स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव न हो। इस अवसर पर डॉ खान ने बताया कि सब्जी उत्पादक किसान भाई सब्जी फसलों में सड़ी हुई गोबर की खाद एवं केंचुआ खाद का प्रयोग करें। जिससे कि रासायनिक उर्वरकों को कम प्रयोग करना पड़े। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जैविक खादों के प्रयोग से सभी 17 पोषक तत्व पौधों को उपलब्ध हो जाते हैं जिससे फसल उत्पादन गुणवत्ता एवं स्वाद युक्त होता है। प्रसार वैज्ञानिक डॉ डॉ सुशील कुमार यादव ने उद्यानिकी फसलों जैसे मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की वैज्ञानिक तथ्यों को विस्तार से किसानों को बताया। इस अवसर पर उन्होंने सब्जियों में लगने

वाले कीट एवं रोगों का जैविक प्रबंधन विषय पर किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी।उन्होंने किसानों से अपील की कि सब्जी फसलों में कम से कम रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग करें। उन्होंने कार्यक्रम की विस्तारपूर्वक रूपरेखा बताई तथा कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषकों का पंजीकरण शरद कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसान बाबूराम निषाद, महेंद्र सिंह यादव, सोहन सिंह,जगन्नाथ, धनीराम सहित लगभग 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान 11/10/2022

धान, गन्ना व मक्का की 50% फसल बर्बाद

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। पहले कम तो अब भारी बारिश से 50 फीसदी धान की फसल बर्बाद हो गई है। खेतों में पकी खड़ी फसल तेज हवा और बारिश से गिर गई है। नुकसान सिर्फ धान को नहीं बल्कि सरसों, गन्ना, मक्का, तिल, ज्वार, बाजरा आलू, लौकी, खीरा, करेला, कुंदरू समेत सब्जियों की सभी फसलों को हुआ है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक डॉ. राजीव ने बताया कि सात दिन से हो रही बारिश ने फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया है। बुवाई के समय बारिश न होने से करीब 80 फीसदी खेतों में ही किसानों ने धान की फसल लगाई थी। मतलब 20 फीसदी नुकसान पहले ही था और अब बारिश के कारण करीब 40 से 45 फीसदी फसल खेतों में गिर गई है। इसी तरह, गन्ना की करीब 40 से 50 फीसदी गिर गई है। अब इस फसल को बचाने के लिए किसानों को 15 से 20 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर अतिरिक्त खर्च करना होगा। सरसों लगाने के लिए एक से 15 अक्तूबर और आलू लगाने के लिए 15 से 25 अक्तूबर का समय उचित होता है, लेकिन अधिक बारिश के कारण खेत तैयार नहीं है।

अमर उजाला 11/10/2022

(ब्यूरो)

जैविक खाद में होते सभी पोषक तत्व

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीपं नगर की ओर से आलमपुर खेड़ा गांव में सोमवार को कीटनाशकों की निगरानी, सब्जियों पर असर और मानव जोखिम मूल्यांकन विषय पर किसान गोष्ठी हुई। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को बताया कि सब्जी की फसलों पर कम से कम रसायन का प्रयोग करें। सब्जी उत्पादक किसान सड़ी हुई गोबर की खाद और केंचुआ खाद का प्रयोग करें। जैविक खाद में सभी 17 पोषक तत्व पौधों को मिलते हैं। प्रसार वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार यादव ने मिर्च, टमाटर, बैंगन की खेती के वैज्ञानिक तथ्यों को बताया। किसानों से अपील की कि सब्जी में कम से कम रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग करें। इस मौके पर शरद कुमार सिंह, बाबूराम निषाद, महेंद्र सिंह यादव और सोहन सिंह आदि मौजूद रहे। (संवाद)